सी एम एफ आर आइ के निदेशक के रूप में डॉ. जी. सैदा रावु का पदग्रहण

Dr. G. Syda Rao takes over as Director of CMFRI

Dr. G. Syda Rao has taken over as Director, Central Marine Fisheries Research Institute, Cochin. A renowned Scientist with more than three decades of meritorious research experience in the field of marine fisheries, Dr. Rao has published several research papers in national and international journals. Dr. Syda Rao has pioneered the land-based marine pearl culture technology which was granted a provisional patent in 2001. He has been instrumental in the successful demonstration of open sea cage culture technology at Visakhapatnam, recently.

Dr. G. Syda Rao

Dr. Rao belongs to the 1976 batch of Agricultural Research Service of ICAR. He joined CMFRI as Scientist S-1 in the year 1977 and since then served the Institute in different capacities. Dr. Rao was the Scientist-in-charge of the Visakhapatnam Regional Centre of CMFRI before he took over as Director of the Institute.

डॉ. जी. सैदा रावु ने केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान के निदेशक के रूप में कार्यग्रहण किया है। डॉ. रावु समुद्री मात्स्यिकी के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक सराहनीय आनुसंधान में अनुभवी हैं और कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में उनके असंख्य अनुसंधान लेखों का प्रकाशन किया गया है। डॉ. सैदा रावु ने धरती पर आधारित समुद्री मोती संवर्धन प्रौद्योगिकी का पथ-प्रदर्शन किया है जिस के लिए वर्ष 2001 में अनंतिम एकस्व प्राप्त हुआ। आप हाल ही में विशाखपट्टणम में सफलतापूर्वक प्रदर्शित खुले समुद्र की पंजरा पालन प्रौद्योगिकी का मार्गदर्शक था।

डॉ. रावु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कृषि अनुसंधान चयन मंडल के 1976 के सत्र के वैज्ञानिक हैं। उन्होंने वर्ष 1977 में वैज्ञानिक एस-1 के पद पर भी एम एफ आर आइ में कार्यग्रहण किया और विभिन्न पदों पर सेवा की। संस्थान के निदेशक के रूप में कार्यग्रहण करने से पहले वे सी एम एफ आर आइ के विशाखपट्टणम क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिक थे।